चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जीन्द

(प्रदेश विधायिका एक्ट 28, 2014 के तहत)

स्नातकोत्तर हिन्दी पाठ्यचर्या

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर आधारित

सत्र 2024-25 से चरणबद्ध रूप से प्रभावी

पाठ्यचर्या स्वरूप	पाठ्यचर्या संकेत संज्ञा	पाठ्यचर्या नामांकन	क्रेडिट	शिक्षण	परीक्षा योजना			
				घण्टे/प्रति सप्ताह	परीक्षा अंक	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	समय
सेमेस्टर-I								
CC-1	M24-HIN-101	हिन्दी साहित्य का इतिहास	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
CC-2	M24-HIN-102	मध्ययुगीन हिन्दी काव्य	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
CC-3	M24-HIN-103	लोक साहित्य	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
CC-4	M24-HIN-104	हिन्दी नाटक और निबंध	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
DEC-1 Select Any One Option	M24-HIN-105	कबीरदास	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
	M24-HIN-106	तुलसीदास	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
सेमिनार	M24-HIN-109	परिसंवाद	2	2	50		50	
सेमेस्टर-II								
CC-5	M24-HIN-201	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
CC-6	M24-HIN-202	आधुनिक हिन्दी कविता	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
CC-7	M24-HIN-203	हरियाणवी लोक साहित्य	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
CC-8	M24-HIN-204	हिन्दी कथा साहित्य	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
DEC-2 Select Any One Option	M24-HIN-205	प्रेमचन्द	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
	M24-HIN-206	हरिशंकर परसाई	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
CHM	M24-CHM-201	संवैधानिक, मानवीय, नैतिक मूल्य और बौद्धिक संपदा अधिकार	2	2	35	15	50	2 घण्टे
सेमेस्टर-III								
CC-9	M24-HIN-301	साहित्यशास्त्र	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
CC-10	M24-HIN-302	हिन्दी भाषा और लिपि	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
DEC-3 Select Any One Option	M24-HIN-303	भारतीय साहित्य	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
	M24-HIN-304	हरियाणा का साहित्य	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे

DEC-4 Select Any One Option	M24-HIN-305	समकालीन हिन्दी कविता	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
	M24-HIN-306	नव्येतर गद्य साहित्य	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
DEC-5 Select Any One Option	M24-HIN-307	सृजनात्मक लेखन	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
	M24-HIN-308	अनुवाद विज्ञान	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
OEC	M24-HIN-309	हिन्दी भाषा अनुप्रयोग	2	2	35	15	50	2 घण्टे
सेमेस्टर-IV								
CC-11	M24-HIN-401	शोध-प्रविधि	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
CC-12	M24-HIN-402	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
DEC-6 Select Any One Option	M24-HIN-403	साहित्य और विमर्श	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
	M24-HIN-404	हिन्दी आलोचना	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
DEC-7 Select Any One Option	M24-HIN-405	वैचारिक पृष्ठभूमि	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
	M24-HIN-406	विश्व साहित्य	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
DEC-8 Select Any One Option	M24-HIN-407	हिन्दी पत्रकारिता	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
	M24-HIN-408	हिन्दी सिनेमा और रंगमंच	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
EEC	M24-HIN-417	प्रयोजनमूलक हिन्दी	2	2	35	15	50	2 घण्टे
लघु शोध-कार्य चयन उपरान्त पाठ्यचर्चा योजना (विकल्प–I)								
CC-11	M24-HIN-401	शोध-प्रविधि	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
DEC-6 Select Any One Option	M24-HIN-403	साहित्य और विमर्श	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
	M24-HIN-404	हिन्दी आलोचना	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
EEC	M24-HIN-417	प्रयोजनमूलक हिन्दी	2	2	35	15	50	2 घण्टे
Project work	M24-HIN-418	लघु शोध-कार्य	12		300		300	
लघु शोध-कार्य चयन उपरान्त पाठ्यचर्चा योजना (विकल्प–II)								
DEC-6 Select Any One Option	M24-HIN-403	साहित्य और विमर्श	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
	M24-HIN-404	हिन्दी आलोचना	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
DEC-7 Select Any One Option	M24-HIN-405	वैचारिक पृष्ठभूमि	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
	M24-HIN-406	विश्व साहित्य	4	3+1 (ट्यूटोरियल)	70	30	100	3 घण्टे
EEC	M24-HIN-417	प्रयोजनमूलक हिन्दी	2	2	35	15	50	2 घण्टे
Project work	M24-HIN-418	लघु शोध-कार्य	12		300		300	

आन्तरिक मूल्यांकन योजना

आन्तरिक मूल्यांकन अंक योजना

कोर्स क्रेडिट	आन्तरिक मूल्यांकन अंक योजना				परीक्षा अंक	कुल अंक
	कक्षा सहभागिता	लेखन कार्य/प्रस्तुति	मध्यावधि परीक्षा	कुल अंक		
2	4	4	7	15	35	50
4	5	10	15	30	70	100

प्रदत्त नियत कार्य (Assignment Work) एवं मध्यावधि परीक्षा हेतु निर्देश

- पाठ्यचर्चा के अन्तर्गत प्रत्येक सत्र में प्रदत्त नियत कार्य का लेखन एवं प्रस्तुति अति आवश्यक है।
- प्रदत्त कार्य प्रस्तुति नियमावली अनुसार ही होनी चाहिए।
- प्रदत्त नियत कार्य निर्धारित समय पर जमा करवाना अनिवार्य है।
- लेखन कार्य प्रदत्त विषयों के अनुरूप ही किया जाना अनिवार्य है।
- लेखन कार्य विद्यार्थी स्वयं सम्पन्न करें। किसी अन्य द्वारा लिखा अथवा टंकण कार्य स्वीकार्य नहीं होगा।
- लेखन के लिए केवल नीले रंग की स्याही और कोरे सफेद A4 साइज पेपर का प्रयोग किया जाए।
- लेखन के लिए कम से कम 10 एक तरफा लिखे हुए पृष्ठों का संयोजन अनिवार्य है।
- केवल हिन्दी के विराम चिह्नों का ही प्रयोग करें। अन्य किन्हीं चिह्नों से युक्त कार्य स्वीकार्य नहीं होगा।
- प्रदत्त नियत लेखन कार्य में अधोरेखांकन (अंडरलाइन) का प्रयोग वर्जित है।
- अपना सुव्यवस्थित स्वं हस्ताक्षरित लेखन कार्य यथा समय विभाग के संबंधित प्राध्यापक को ही सौंपे।
- निर्धारित मध्यावधि परीक्षा में अनुपस्थित रहने पर मूल्यांकन अंक नहीं दिए जाएगें।
- निर्धारित समय के बाद मध्यावधि परीक्षा स्वीकार्य नहीं होगी।
- कक्षा एवं विभागीय आयोजनों में सहभागिता मूल्यांकन का हिस्सा रहेगी।

सेमेस्टर-I CC-1

M24-HIN-101 हिन्दी साहित्य का इतिहास

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी साहित्य के इतिहास से परिचय। साहित्येतिहास दृष्टि का विकास।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

101.1 हिन्दी साहित्य के विभिन्न पड़ावों, आन्दोलनों की जानकारी।

101.2 मध्यकाल के विभिन्न सम्प्रदायों की दार्शनिक पृष्ठभूमि का ज्ञान।

101.3 साहित्येतिहास लेखन की प्रक्रिया एवं लेखन के महत्व से परिचय।

101.4 भारतीय इतिहास के परिवर्तनों व उसके साहित्य पर पड़े प्रभावों की पहचान।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से किसी एक प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक रूप में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 48 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से सात लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 16 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से छह वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 06 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि स्वं अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक सूझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 इतिहास और साहित्येतिहास दर्शन; हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा; हिंदी साहित्येतिहास पुनर्लेखन की समस्याएँ; हिंदी साहित्येतिहास का काल विभाजन और नामकरण; आदिकाल की पृष्ठभूमि और परिवेश; आदिकालीन साहित्य का वर्गीकरण; आदिकालीन साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।

इकाई-2 भक्तिकाल की पूर्वपीठिका एवं तत्कालीन परिवेश; निर्गुण भक्ति का स्वरूप; संतकाव्य धारा : प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि; सूफीकाव्य उद्‌गम-स्त्रोत; सूफीकाव्य : प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।

इकाई-3 वैष्णव भक्ति का उदय और वैशिष्ट्य; रामकाव्य : परम्परा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि; हिन्दी कृष्णभक्ति काव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि; कृष्णभक्ति विविध सम्प्रदाय; कृष्ण काव्य : प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि; भक्तिकाल की उपलब्धियाँ।

इकाई-4 रीतिकाल : पृष्ठभूमि एवं परिवेश; रीति कवियों का आचार्यत्व; रीतिबद्ध काव्य : सामान्य प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि; रीतिसिद्ध काव्य : सामान्य प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि; रीतिमुक्त काव्य : सामान्य प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि; रीतिकाल की अन्य काव्य प्रवृत्तियाँ; रीतिकालीन गद्य-साहित्य।

आधार संदर्भ ग्रन्थ

- हिन्दी साहित्य का इतिहास – (सं०) डॉ० नगेन्द्र

अनुमोदित संदर्भ ग्रन्थ

- साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पाण्डेय
- हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – अवधेश प्रधान
- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ० बच्चन सिंह
- मध्यकालीन हिन्दी साहित्य का इतिहास – सूर्यनारायण रणसुभे

सेमेस्टर-I CC-2

M24-HIN-102 मध्ययुगीन हिन्दी काव्य

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

मध्ययुगीन हिन्दी कविता से परिचय। मध्ययुगीन हिन्दी कविता के अध्ययन की दृष्टि निर्मित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

102.1 मध्ययुगीन हिन्दी कविता एवं कवियों से परिचय।

102.2 मध्ययुगीन हिन्दी कविता के काव्य-सरोकार व शिल्प का बोध।

102.3 मध्ययुगीन हिन्दी कविता की आलोचनात्मक समझ का विकास।

102.4 मध्ययुगीन कविता की विभिन्न धाराओं की विशिष्टताओं की पहचान।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** – पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 12 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम में से रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना, विषयवस्तु, सामाजिक सरोकार, कलागत वैशिष्ट्य, प्रासंगिकता आदि से संबंधित आंतरिक विकल्प सहित तीन प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक रूप में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 36 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना और विषयवस्तु संबंधी सात लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से छह वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 06 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि स्वं अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक सूझ के आधार पर विद्यार्थियों के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

(क) व्याख्या के लिए

कबीरदास	: [पद संख्या – 160 से 180 तक]	कबीर – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन
सूरदास	: [पद संख्या – 21 से 40 तक]	भ्रमरगीत सार – सं॰ रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन
मीरा	: [मीरा पदावली – प्रारम्भ से 13 पद]	मीरा पदावली - सं॰ विश्वनाथ त्रिपाठी
तुलसीदास	: [उत्तरकाण्ड – प्रारम्भ से 20 पद]	रामचरितमानस (उत्तरकाण्ड) – गीताप्रेस, गोरखपुर
बिहारी	: [दोहा – 1 से 25 तक]	बिहारी रत्नाकर – सं॰ जगन्नाथदास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन
घनानन्द	: [घनानन्द कवित्त – 1 से 15 तक]	घनानन्द कवित्त – सं॰ विश्वनाथ मिश्र

(ख) आलोचनात्मक एवं लघुत्तरी प्रश्नों के लिए

कबीरदास, सूरदास, जायसी, मीराबाईं, तुलसीदास, बिहारी, घनानन्द

अनुमोदित संदर्भ ग्रन्थ

- सूरदास – ब्रजेश्वर शर्मा
- मीराबाई – परशुराम चतुर्वेदी
- कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी
- जायसी – विजयदेव नारायण साही
- बिहारी की वाग्विभूति – विश्वनाथ मिश्र
- कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत
- गोस्वामी तुलसीदास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- मध्यकालीन हिन्दी काव्य भाषा – रामस्वरूप चतुर्वेदी

सेमेस्टर-I CC-3

M24-HIN-103 लोक साहित्य

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

लोक, लोक संस्कृति और लोक साहित्य से परिचित करवाना। सांस्कृतिक और साहित्यिक दृष्टि विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

103.1 लोक, लोक संस्कृति और लोक साहित्य से परिचय।

103.2 लोक परंपरा और लोक कलाओं का ज्ञान।

103.3 हरियाणा प्रदेश की ऐतिहासिकता, भाषा और कला से परिचय।

103.4 हरियाणवी लोक साहित्य के पारंपरिक स्वरूप का ज्ञान।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से किसी एक प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक रूप में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 48 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से सात लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 16 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से छह वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 06 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि स्वं अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक सूझ के आधार पर विद्यार्थियों के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 लोक : अर्थ, परिभाषा एवं परम्परा; लोकसंस्कृति : परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ; लोक कलाएँ : परिचय, स्वरूप और महत्व; भूमंडलीकरण के दौर में लोक का पुनरोदय; लोक भाषा का स्वरूप और विशेषताएँ; लोकभाषा और परिनिष्ठित भाषा।

इकाई-2 लोक साहित्य : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप और परम्परा; लोक साहित्य के प्रमुख रूप; लोक साहित्य और अभिजात (शिष्ट) साहित्य का अंत:संबंध, लोकसाहित्य के अध्ययन की दिशाएँ, शोध एवं अनुसंधान; लोक साहित्य का संग्रहण एवं संरक्षण।

इकाई-3 हरियाणा : ऐतिहासिकता, नामकरण, क्षेत्र-विस्तार; हरियाणवी संस्कृति : स्वरूप, तत्व और विशेषताएँ; हरियाणवी भाषा : परिचय एवं बोलियाँ; हरियाणवी लोक साहित्य : स्वरूप और परम्परा; हरियाणवी लोक कला : प्रकार, विशेषताएँ और महत्व।

इकाई-4 **हरियाणवी लोक वार्ता** : स्वरूप-विवेचन, शैली एवं सांस्कृतिक महत्व; **हरियाणवी लोक गाथा** : परिचय, परंपरा, प्रकार, प्रवृत्तियां, शैली एवं सांस्कृतिक महत्व; **हरियाणवी लोक कथा** : रुपात्मक परिचय, परंपरा, परिवेश, लोक संस्कृति में स्थान, लोक कथाओं की विशेषताएँ और शिल्प सौंदर्य।

अनुमोदित सन्दर्भ ग्रन्थ

- हरियावी लोक साहित्य : सांस्कृतिक संदर्भ – डॉ॰ भीम सिंह मलिक
- लोक साहित्य विज्ञान – डॉ॰ सत्येन्द्र
- लोक साहित्य : विविध आयाम – डॉ॰ राम मेहर सिंह
- लोक संस्कृति के क्षितिजि – पूर्णचन्द शर्मा
- साहित्य की सांस्कृतिक परम्परा – मनोहर शर्मा
- लोक साहित्य की भूमिका – कृष्णदेव उपाध्याय
- लोक साहित्य के प्रतिमान – डॉ॰ कुंदन लाल उत्प्रेती

सेमेस्टर-I CC-4

M24-HIN-104 हिन्दी नाटक और निबंध

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी नाटक व रंगमंच से परिचय। हिन्दी नाटक के अध्ययन की दृष्टि निर्मित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

104.1 हिन्दी के प्रमुख नाटक व नाटककारों से परिचय।

104.2 हिन्दी रंगकर्म के विभिन्न पहलुओं का बोध।

104.3 नाटक व रंगमंचीय अध्ययन की आलोचना दृष्टि का विकास।

104.4 नाट्य लेखन व उसके प्रस्तुतीकरण के विविध पहलुओं के बारे में ज्ञान।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** – पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 12 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम में से रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना, विषयवस्तु, सामाजिक सरोकार, कलागत वैशिष्ट्य, प्रासंगिकता आदि से संबंधित आंतरिक विकल्प सहित तीन प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक रूप में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 36 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना और विषयवस्तु संबंधी सात लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से छह वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 06 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि स्वं अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक सूझ के आधार पर विद्यार्थियों के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

ध्रुवस्वामिनी : जयशंकर प्रसाद

आषाढ़ का एक दिन : मोहन राकेश

(ख) व्याख्या एवं लघुत्तरी प्रश्नों के लिए

कविता क्या है (रामचन्द्र शुक्ल), नाखून क्यों बढ़ते हैं (हजारी प्रसाद द्विवेदी); मेरे राम का मुकुट भीग रहा है (विद्यानिवास मिश्र); मजदूरी और प्रेम (अध्यापक पूर्ण सिंह); उत्तराफाल्गुनी के आस-पास (कुबेरनाथ राय), उठ जाग मुसाफिर (विवेकी राय), संस्कृति और सौन्दर्य (नामवर सिंह)।

अनुमोदित सन्दर्भ ग्रन्थ

- हिन्दी नाटक – बच्चन सिंह
- प्रसाद के नाटक – सिद्धनाथ कुमार
- प्रसाद का नाट्य कर्म – सत्येन्द्र तनेजा
- आज के रंग नाटक – सं॰ सुरेश अवस्थी
- मोहन राकेश के नाटक – डॉ॰ मृदुला सिंह
- मोहन राकेश और उनके नाटक – गिरिश रस्तोगी
- हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास – दशरथ ओझा

सेमेस्टर-I DEC-1

M24-HIN-105 कबीरदास

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

कबीरदास के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

105.1 कबीरदास के जीवन, साहित्य, दर्शन का परिचय।

105.2 कबीरदास के साहित्यिक अवदान व शिल्प का बोध।

105.3 कबीरदास के साहित्यिक सरोकारों व मूल्यों का बोध।

105.4 कबीरदास के चिंतन की भारतीय लोकजीवन में उपस्थिति का बोध।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** – पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 12 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम में से आंतरिक विकल्प सहित तीन प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक रूप में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 36 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना और विषयवस्तु संबंधी सात लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से छह वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 06 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि स्वं अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक सूझ के आधार पर विद्यार्थियों के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

(क) व्याख्या के लिए

साखी : गुरुदेव कौ अंग, सुमिरन कौ अंग, बिरह कौ अंग, ग्यान बिरह कौ अंग, चितावणी कौ अंग
[प्रत्येक अंग की साखी क्रम संख्या 1 से 10 तक]

पद : 1 से 10 तक

रमैणी : 1 से 5 तक

(ख) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

संतकाव्य का वैचारिक आधार; संतकाव्य की परम्परा; संतकाव्य का सामाजिक प्रभाव; संतकाव्य की प्रासंगिकता; कबीर का जीवन और साहित्य; कबीर का साहित्य चिन्तन और विचारधारा; कबीर के आलोचक; कबीर की लोक छवियाँ; कबीर का परवर्ती साहित्य पर प्रभाव; कबीर की भक्ति भावना; कबीर का रहस्यवाद; कबीर का समाज-दर्शन; कबीर की भाषा; कबीर की काव्य-कला; कबीर की उलटबासियाँ; कबीर का सामाजिक विद्रोह; कबीर के राम; दृश्य-श्रव्य माध्यमों में कबीर; हिन्दी आलोचना में कबीर; वर्तमान समय में कबीर की प्रासंगिकता।

(ग) लघुत्तरी प्रश्नों के लिए

नामदेव, रैदास, कबीर, गुरुनानक, दादू दयाल, मलूकदास, गरीबदास

अनुमोदित सन्दर्भ ग्रन्थ

- कबीर एक नई दृष्टि – रघुवंश
- कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी
- कबीर काव्य-मीमांसा – रामचन्द्र तिवारी
- हिन्दी निर्गुण काव्यधारा एवं कबीर – जयदेव सिंह
- भक्ति के तीन स्वर – जॉन स्ट्रैटन हौली
- कबीर का रहस्यवाद – डॉ॰ रामकुमार वर्मा
- कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत
- अकथ कहानी प्रेम की – पुरुषोत्तम अग्रवाल

सेमेस्टर-I DEC-1

M24-HIN-106 तुलसीदास

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

तुलसीदास के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

106.1 तुलसीदास के जीवन, साहित्य, दर्शन का परिचय।

106.2 तुलसी के साहित्यिक अवदान व शिल्प का बोध।

106.3 तुलसीदास के साहित्यिक सरोकारों व मूल्यों का बोध।

106.4 तुलसीदास के चिंतन की भारतीय लोकजीवन में उपस्थिति का बोध।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** – पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 12 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम में से आंतरिक विकल्प सहित तीन प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक रूप में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 36 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना और विषयवस्तु संबंधी सात लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से छह वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 06 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि स्वं अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक सूझ के आधार पर विद्यार्थियों के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

(क) व्याख्या के लिए

रामचरितमानस : उत्तरकाण्ड

गीतावली : 1 से 20 पद

(ख) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

रामकाव्य का वैचारिक आधार; रामकाव्य की परम्परा; रामकथा के विविध रूप; रामकाव्य का सामाजिक प्रभाव; रामकाव्य की प्रासंगिकता; तुलसी का जीवन और साहित्य; तुलसीदास और उनका सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश; तुलसी के काव्य में युग-चित्रण; तुलसीदास के राम; तुलसीदास और लोकमंगल की भावना; तुलसीदास की समन्वय साधना; तुलसीदास साहित्य में आदर्श राज्य की कल्पना; लोकजीवन और तुलसीदास; तुलसी का काव्य-वैभव; तुलसीदास की भाषा; तुलसीदास का परवर्ती साहित्य पर प्रभाव; वर्तमान परिप्रेक्ष्य में गोस्वामी तुलसीदास।

(ग) लघुत्तरी प्रश्नों के लिए

रामानन्द, तुलसीदास, केशवदास, नाभादास, सेनापति, अग्रदास, वेणीमाधव

अनुमोदित सन्दर्भ ग्रन्थ

- तुलसी काव्य मीमांसा – उदयभानु सिंह
- तुलसीदास – सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
- लोकवादी तुलसीदास – विश्वनाथ त्रिपाठी
- गोस्वामी तुलसीदास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- तुलसीदास और उनका युग – डॉ॰ रामविलास शर्मा
- संत तुलसी और उनका साहित्य – स्वामी आनन्द कुलश्रेष्ठ

सेमेस्टर-I परिसंवाद (सेमिनार)

M24-HIN-109 परिसंवाद

क्रेडिट : 2 अंक : 50

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

ज्ञान वर्धन, वाचन एवं सम्भाषण कला नैपुण्य हेतु। वैचारिक-विमर्श दक्षता वृद्धि के लिए।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

109.1 विश्लेषणात्मक दृष्टि का विकास।
109.2 हिन्दी भाषा, साहित्य व शिल्प का बोध।
109.3 आलोचनात्मक समझ का संवर्धन।
109.4 प्रतिभा संवर्धन एवं व्यक्तित्व विकास।

परिसंवाद के लिए निर्देश

- **परिसंवाद** – विद्यार्थी स्वं रूचि अनुसार अथवा प्रदत्त कार्य रूप में हिन्दी साहित्य के किसी विषय, साहित्यकार, साहित्यिक रचना अथवा साहित्यिक विधा के परिप्रेक्ष्य में नियमानुसार अपना व्याख्यान देंगें।
- **परिसंवाद हेतु लेखन** – परिसंवाद हेतु लेखन कार्य एवं प्रस्तुति अति आवश्यक है।
- लेखन कार्य विद्यार्थी स्वयं सम्पन्न करें। किसी अन्य द्वारा लिखा अथवा टंकण कार्य स्वीकार्य नहीं है।
- लेखन के लिए केवल नीले रंग की स्याही और कोरे सफेद A4 साइज पेपर का प्रयोग किया जाए।
- एक तरफा लिखें कम से कम 10 पृष्ठों का संयोजन अनिवार्य है।
- केवल हिन्दी के विराम चिह्नों का ही प्रयोग करें। अन्य किन्हीं चिह्नों से युक्त कार्य स्वीकार्य नहीं है।
- लेखन कार्य में अधोरेखांकन (अंडरलाइन) वर्जित है।
- परिसंवाद प्रस्तुति नियमावली अनुसार ही होनी चाहिए।
- अपना सुव्यवस्थित स्वं हस्ताक्षरित शोध-पत्र विभाग के संबंधित प्राध्यापक को सौंपे।
- **सेमिनार मूल्यांकन** – परिसंवाद का मूल्यांकन निर्धारित समिति द्वारा किया जाएगा।

पाठ्यक्रम

व्याख्यान के लिए

हिन्दी भाषा और साहित्य की मूल अवधारणा;
हिन्दी साहित्येतिहास के विभिन्न कालखण्ड अथवा धारा विशेष;
हिन्दी साहित्य के दार्शनिक पहलू;
भारत का समृद्ध लोक और सांस्कृतिक विरासत;
विषय, शिल्प, भाषा, मंचीयता आदि आधारों पर किसी रचना या साहित्यकार अथवा विधा का विश्लेषण एवं मूल्यांकन।

अनुमोदित सन्दर्भ ग्रन्थ

- हिन्दी नाटक के पाँच दशक – कुसुम खेमानी
- हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ॰ नगेन्द्र
- हिन्दी साहित्य का विकास – डॉ॰ वासुदेव शर्मा
- हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा
- ग्यारह नुक्कड़ नाटक – डॉ॰ गिरिराजशरण अग्रवाल
- मध्यकालीन हिन्दी काव्य भाषा – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी
- बीसवी शताब्दी का हिन्दी नाटक और रंगमंच – गिरीश रस्तोगी
- आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण – विजयमोहन सिंह

सेमेस्टर-II CC-5

M24-HIN-201 हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी साहित्य के इतिहास से परिचय। साहित्येतिहास दृष्टि का विकास।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

201.1 हिन्दी साहित्य इतिहास के विभिन्न पड़ावों, आन्दोलनों की जानकारी।

201.2 आधुनिक काल के विभिन्न कालखण्डों की दार्शनिक पृष्ठभूमि का ज्ञान।

201.3 गद्य एवं पद्य की विभिन्न धाराओं, प्रवृतियों एवं रचनाकारों का बोध।

201.4 आधुनिक काल की परिस्थितियों एवं परिवर्तनों की जानकारी।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से किसी एक प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक रूप में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 48 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से सात लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 16 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से छह वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 06 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि स्वं अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक सूझ के आधार पर विद्यार्थियों के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 आधुनिक काल की पृष्ठभूमि और परिवेश; हिन्दी नवजागरण; भारतेंदु युग : प्रवृत्तियाँ और प्रमुख रचनाकार; हिन्दी गद्य साहित्य का विकास; द्विवेदी युग : प्रवृत्तियाँ और प्रमुख रचनाकार।

इकाई-2 छायावाद : प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि; प्रगतिवाद : प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि; प्रयोगवाद : प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि; नयी कविता : प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि; हिन्दी नवगीत : प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि, समकालीन कविता : प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि।

इकाई-3 हिन्दी नाटक का विकास और प्रमुख नाटककार; हिन्दी उपन्यास का विकास और प्रमुख उपन्यासकार; हिन्दी कहानी का विकास और प्रमुख कहानीकार; हिन्दी निबंध का विकास और प्रमुख निबंधकार; हिन्दी आलोचना का विकास और प्रमुख आलोचक।

इकाई-4 हिंदी नव्येतर गद्य-विधाएँ : उद्भव और विकास (आत्मकथा, जीवनी, यात्रा-वृतांत, डायरी, संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्ताज)।

आधार संदर्भ ग्रन्थ

- हिन्दी साहित्य का इतिहास – (सं०) डॉ० नगेन्द्र

अनुमोदित सन्दर्भ ग्रन्थ

- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ० बच्चन सिंह
- हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- हिन्दी साहित्य का विवेचनपरक इतिहास – मोहन अवस्थी
- हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – रामकुमार वर्मा
- आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – सूर्यनारायण रणसुभे
- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी

सेमेस्टर-II CC-6

M24-HIN-202 आधुनिक हिन्दी कविता

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

आधुनिक हिन्दी कविता से परिचय। आधुनिक हिन्दी कविता के अध्ययन की दृष्टि निर्मित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

202.1 आधुनिक हिन्दी कवियों एवं कविता से परिचय।

202.2 आधुनिक हिन्दी कविता के काव्य-सरोकार व शिल्प का बोध।

202.3 आधुनिक हिन्दी कविता की आलोचनात्मक समझ का विकास।

202.4 आधुनिक हिन्दी कविता की विभिन्न धाराओं की विशिष्टताओं की पहचान।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** – पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 12 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम में से रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना, विषयवस्तु, सामाजिक सरोकार, कलागत वैशिष्ट्य, प्रासंगिकता आदि से संबंधित आंतरिक विकल्प सहित तीन प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक रूप में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 36 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना और विषयवस्तु संबंधी सात लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से छह वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 06 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि स्वं अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक सूझ के आधार पर विद्यार्थियों के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

(क) व्याख्या के लिए

मैथिलीशरण गुप्त	: साकेत (नवम् सर्ग) [आरम्भ से लेकर 'उलट गई श्यामा यहां रिक्त सुधाकर-पात्र' तक]
जयशंकर प्रसाद	: कामायनी (श्रद्धा, लज्जा सर्ग)
सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'	: राम की शक्ति पूजा
रामधारी सिंह 'दिनकर'	: उर्वशी (तृतीय अंक)
नागार्जुन	: कालीदास, शासन की बंदूक
अज्ञेय	: असाध्यवीणा
धूमिल	: अकाल दर्शन, रोटी और संसद

(ख) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', रामधारी सिंह 'दिनकर', नागार्जुन, अज्ञेय, धूमिल

अनुमोदित सन्दर्भ ग्रन्थ

- कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह
- हिन्दी काव्य का इतिहास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- निराला की साहित्य साधना – रामविलास शर्मा
- कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ – डॉ० नगेन्द्र
- समकालीन हिन्दी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- आधुनिक कविता का पुर्नपाठ – करुणाशंकर उपाध्याय

सेमेस्टर-II CC-7

M24-HIN-203 हरियाणवी लोक साहित्य

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हरियाणवी लोक, लोक संस्कृति से परिचित करवाना। हरियाणवी सांस्कृतिक एवं साहित्यिक दृष्टि विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

203.1 हरियाणवी लोक और लोक साहित्य से परिचय।

203.2 हरियाणवी लोक परंपरा और लोक कलाओं का ज्ञान।

203.3 हरियाणवी लोक नाट्य एवं सांग के पारंपरिक स्वरूप का ज्ञान।

203.4 हरियाणवी लोक विनोद के सांस्कृतिक महत्व एवं स्थान का बोध।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** – पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 12 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से किसी एक प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक रूप में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 36 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से सात लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 16 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से छह वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 06 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि स्वं अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक सूझ के आधार पर विद्यार्थियों के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

(क) व्याख्या के लिए

आधार पाठ्य-ग्रन्थ : **हरियाणवी लोकरंग** [चयनित हरियाणवी लोकगीत एवं रागनियाँ]

(ख) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

इकाई-1 हरियाणवी लोकगीत : परंपरा, स्वरूप, प्रकार, विशेषताएँ और सांस्कृतिक महत्व; हरियाणवी लोकगीतों में संगीत विधान (लोक वाद्य-यंत्र); लोकगीतों में व्यंजना का अनूठापन; हरियाणवी लोकगीतों में नए प्रयोग।

इकाई-2 हरियाणवी लोकनाट्य : अवधारणा, स्वरूप और महत्व; हरियाणवी सांग : उद्भव, विकास, स्वरूप और महत्व; सांग के विभिन्न अंग; हरियाणवी सांग एवं अन्य लोक विधाएं; हरियाणवी सांग की कथ्य एवं शिल्पगत विशेषताएँ।

इकाई-3 हरियाणवी लोक सुभाषित : परम्परा, स्वरूप, प्रकार, विशेषताएँ और सांस्कृतिक महत्व; हरियाणवी लोक विनोद : परम्परा, स्वरूप, प्रकार, विशेषताएँ और सांस्कृतिक महत्व; हरियावणी समाज में लोक विनोद का स्थान।

अनुमोदित सन्दर्भ ग्रन्थ

- लोकधारा के नए आयाम – डॉ॰ भीम सिंह मलिक
- हरियाणवी लोक कथाएँ – शंकरलाल यादव
- हरियाणा की कला एवं संस्कृति – गोपाल भार्गव
- लोक साहित्य और संस्कृति – डॉ॰ दिनेश्वर प्रसाद
- हरियाणी सांगीत का उद्भव और विकास – डॉ॰ राम मेहर सिंह
- हरियाना प्रदेश का लोक साहित्य – शंकरलाल यादव

सेमेस्टर-II CC-8

M24-HIN-204 हिन्दी कथा साहित्य

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी कथा साहित्य से परिचय। कथा साहित्य अध्ययन दृष्टि निर्मित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

204.1 हिन्दी कथा की समझ विकसित होगी।

204.2 हिन्दी कथा साहित्य की विशिष्टता का बोध।

204.3 हिन्दी कहानी और उपन्यास की संरचना व शिल्प का बोध।

204.4 भारतीय मध्यवर्ग, किसान व अन्य वर्गों की कहानी में उपस्थिति का बोध।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** – पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 12 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम में से रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना, विषयवस्तु, सामाजिक सरोकार, कलागत वैशिष्ट्य, प्रासंगिकता आदि से संबंधित आंतरिक विकल्प सहित तीन प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक रूप में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 36 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना और विषयवस्तु संबंधी सात लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से छह वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 06 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि स्वं अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक सूझ के आधार पर विद्यार्थियों के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

गोदान : मुंशी प्रेमचन्द

मैला आँचल : फणीश्वरनाथ रेणु

(ख) व्याख्या एवं लघुत्तरी प्रश्नों के लिए

आकाशदीप (जयशंकर प्रसाद); शतरंज के खिलाड़ी (प्रेमचन्द); अपना-अपना भाग्य (जैनेन्द्र कुमार); परिन्दें (निर्मल वर्मा); मलबे का मालिक (मोहन राकेश); चीफ की दावत (भीष्म साहनी); राजा निरबंसिया (कमलेश्वर); पच्चीस चौका डेढ़ सौ (ओमप्रकाश वाल्मीकि)।

अनुमोदित सन्दर्भ ग्रन्थ

- नई कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
- एक दुनिया समानान्तर – राजेन्द्र यादव
- प्रेमचन्द का कथा संसार – नरेन्द्र मोहन
- हिन्दी उपन्यास का इतिहास – गोपाल राय
- प्रेमचन्द और उनका युग – रामविलास शर्मा
- मैला आँचल की रचना-प्रक्रिया – देवेश ठाकुर
- नई कहानी : संवेदना और स्वरूप – राजेन्द्र यादव
- हिन्दी कहानी एक अंतरंग पहचाना – रामदरश मिश्र
- आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण – डॉ॰ विजयमोहन सिंह

सेमेस्टर-II DEC-2

M24-HIN-205 प्रेमचन्द

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

प्रेमचन्द के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

205.1 प्रेमचन्द के जीवन, साहित्य और दर्शन का बोध।

205.2 प्रेमचन्द के साहित्यिक अवदान की समझ।

205.3 प्रेमचन्द के कथा सरोकारों व मूल्यों का बोध।

205.4 प्रेमचन्द की प्रासंगिकता और उपादेयता का बोध।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** – पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 12 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित रचना एवं विषयों में से आंतरिक विकल्प सहित तीन प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक रूप में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 36 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – निर्धारित रचनाओं की मूल संवेदना और विषयवस्तु से संबंधी सात लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से छह वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 06 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि स्वं अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक सूझ के आधार पर विद्यार्थियों के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

(क) व्याख्या एवं लघुत्तरी प्रश्नों के लिए

कहानियाँ : बड़े भाई साहब, पूस की रात, सवा सेर गेहूँ, पंच-परमेश्वर, बूढ़ी काकी, नमक का दरोगा।

निबंध : मानसिक पराधीनता; जाग्रति; साहित्य की प्रगति; जीवन और साहित्य में घृणा का स्थान; साहित्य का उद्देश्य; जीवन में साहित्य का स्थान; साहित्य और मनोविज्ञान।

(ख) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

प्रेमचन्द घर में (जीवनी) – शिवरानी देवी; प्रेमचन्द का जीवन और साहित्य; उनका जीवन-दर्शन; साहित्यिक चिन्तन; राष्ट्रीय चिन्तन; प्रेमचन्द के साहित्य में आदर्शवाद और यथार्थवाद; हिन्दी साहित्य जगत् को प्रेमचन्द की देन; वर्तमान संन्दर्भों में प्रेमचन्द के साहित्य की प्रासंगिकता; उनके साहित्य में पात्र एवं संवाद योजना; कथाकार प्रेमचन्द; पत्रकार प्रेमचन्द; निबंधकार प्रेमचन्द; नाटककार प्रेमचन्द; प्रेमचन्द और किसान; प्रेमचन्द और नारी; प्रेमचन्द के कथा साहित्य में शिल्प-विधान; प्रेमचन्द की भाषा-शैली।

अनुमोदित सन्दर्भ ग्रन्थ

- कलम का सिपाही – अमृतराय
- प्रेमचन्द घर में – शिवरानी देवी
- कथाकार प्रेमचन्द – मन्मथनाथ गुप्त
- प्रेमचन्द एक कला व्यक्तित्व – जैनेन्द्र
- प्रेमचन्द के साहित्य सिद्धान्त – नरेन्द्र कोहनी
- प्रेमचन्द और उनका युग – रामविलास शर्मा
- प्रेमचन्द : साहित्यिक विवेचन – नन्ददुलारे वाजपेयी
- प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्प विधान – कमल किशोर गोयनका

सेमेस्टर-II DEC-2

M24-HIN-206 हरिशंकर परसाई

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हरिशंकर परसाई के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

206.1 हरिशंकर परसाई के जीवन, साहित्य और दर्शन का बोध।

206.2 हरिशंकर परसाई के साहित्यिक अवदान की समझ।

206.3 हरिशंकर परसाई के कथा सरोकारों व मूल्यों का बोध।

206.4 हरिशंकर परसाई की प्रासंगिकता और उपादेयता का बोध।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** – पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 12 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम में से आंतरिक विकल्प सहित तीन प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक रूप में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 36 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – निर्धारित रचनाओं की मूल संवेदना और विषयवस्तु से संबंधी सात लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 16 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से छह वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 06 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि स्वं अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक सूझ के आधार पर विद्यार्थियों के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

(क) व्याख्या एवं लघुत्तरी प्रश्नों के लिए

रचनाएँ : चूहा और मैं, दो नाक वाले लोग, एक के भीतर दो आदमी, सड़े आलू का विद्रोह, डिवाइन ल्यूनेटिक मिशन, अहले वतन में इतनी शराफत कहाँ है जोश, अपनी-अपनी बीमारी, समय काटनेवाले, प्रेम बिरादरी, जिसकी छोड़ भागी है, किताबों की दूकान और दवाओं की, इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर।

(ख) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

हिन्दी साहित्य में व्यंग्य की उपस्थिति; हरिशंकर परसाई का जीवन और साहित्य; परसाई का साहित्यिक चिन्तन; हिन्दी साहित्य जगत् में परसाई का उदय; परसाई की विचारधारा; सृजन के प्रेरणा स्त्रोत परसाई; परसाई के कथा साहित्य की पारम्परिक कथा साहित्य से भिन्नता; परसाई के साहित्य में युग चेतना; हरिशंकर परसाई के साहित्य में यथार्थवादी चेतना; वर्तमान संन्दर्भों में हरिशंकर परसाई के साहित्य की प्रासंगिकता; आधुनिक कबीर : हरिशंकर परसाई; परसाई की भाषा-शैली और शिल्प; कहानीकार परसाई; निबंधकार परसाई; व्यंग्यकार परसाई; हिन्दी व्यंग्य के विकास में परसाई का योगदान; हरिशंकर परसाई एवं अन्य हिन्दी व्यंग्यकार।

अनुमोदित संदर्भ ग्रंथ

- हरिशंकर परसाई – विश्वनाथ त्रिपाठी
- व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई – डॉ॰ भरत पटेल
- हरिशंकर परसाई की दुनिया – डॉ॰ मनोहर देवालिया
- काल के कपाल पर हस्ताक्षर – राजेन्द्र चन्द्रकान्त राय
- परसाई के राजनैतिक व्यंग्य – (सं॰) भारतीय साहित्य संग्रह
- हिन्दी व्यंग्य की धार्मिक पुस्तक : हरिशंकर परसाई – प्रेम जनमेजय

सेमेस्टर-II CHM

M24-CHM-201 संवैधानिक, मानवीय, नैतिक मूल्य और बौद्धिक सम्पदा अधिकार

क्रेडिट : 2 अंक : 50

समय : 2 घण्टे परीक्षा अंक : 35, आंतरिक मूल्यांकन : 15

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

विभिन्न संवैधानिक मूल्यों, मानवीय मूल्यों और नैतिक मूल्यों से परिचय। समाज में अखंडता और सुरक्षा की भावना विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

201.1 संवैधानिक मूल्यों की आवश्यकता, प्रकृति और महत्व का बोध।

201.2 मानवीय मूल्यों की आवश्यकता, प्रकृति और महत्व से अवगत।

201.3 नैतिक मूल्यों की आवश्यकता, प्रकृति और महत्व से अवगत।

201.4 आईपीआर की आवश्यकता, प्रकृति और महत्व से अवगत।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक रूप से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 07 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 28 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से सात प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 07 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि स्वं अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक सूझ के आधार पर विद्यार्थियों के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 **संवैधानिक मूल्य** : भारतीय संविधान का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य; राष्ट्रीय आंदोलन में सांस्कृतिक लोकाचार और आदर्शवाद; प्रस्तावना में निहित बुनियादी मूल्य; संवैधानिक नैतिकता की अवधारणा; देशभक्ति मूल्य और राष्ट्र निर्माण के तत्व; मौलिक अधिकार; राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत; मौलिक कर्तव्य और नागरिक मूल्य बोध।

इकाई-2 **मानवीय मूल्य** : मानवतावाद, मानवीय गुण; कर्तव्य और अधिकार; सामाजिक उत्तरदायित्व; दूसरों के प्रति सम्मान और दूसरों के साथ शांतिपूर्वक रहना; मार्गदर्शक मूल्य; बुनियादी मानवीय आकांक्षाएँ और उन्हें पूरा करने का तरीका; पारस्परिक सम्मान और सौहार्द; विश्वबन्धुत्व की भावना; प्रकृति और मानव : पारस्परिक सामंजस्य।

इकाई-3 **नैतिक मूल्य और व्यावसायिक आचरण** : नैतिकता एवं नैतिक मूल्य बोध; नैतिक शिक्षा और चरित्र निर्माण; संबंधों की नैतिकता : व्यैक्तिक, सामाजिक और व्यावसायिक संदर्भ में; नैतिक ह्रास और यौन संबंध; लैंगिक संदर्भ : प्रथाएं/मुद्दे और संवेदीकरण की आवश्यकता; पिछड़ा वर्ग (एससी, एसटी, ओबीसी और डीए) से संबंधित मुद्दे और सकारात्मक कार्रवाई की आवश्यकता; एच॰आई॰ई और नैतिक आचरण की चुनौतियाँ; छात्र नेतृत्व में नैतिकता की अनिवार्यता; व्यवसायिक नैतिकता; इंजीनियरिंग नैतिकता; सोशल मीडिया की नैतिकता।

इकाई-4 **बौद्धिक संपदा अधिकार** : बौद्धिक संपदा अधिकार : अर्थ, उत्पत्ति प्रकृति, तथा इसकी सुरक्षा के लिए आवश्यक उपाय। बौद्धिक संपदा अधिकार के विभिन्न रूप, स्वामित्व, कार्य, पंजीकरण; टी॰आर॰आई॰पी॰एस समझौता (1994) और डब्ल्यूटीओ; बौद्धिक संपदा अधिकार : उल्लंघन और अपराध - उपचार और दंड; आईटी अधिनियम 2000 - भारत में साइबर अपराधों के बुनियादी प्रावधान और अंकुश; साहित्यिक चोरी और बौद्धिक संपदा अधिकार का खतरा।

अनुमोदित संदर्भ ग्रन्थ

- मानव मूल्य – सत्यव्रत शास्त्री
- बौद्धिक संपदा अधिकार – डॉ॰ एस॰ के॰ सैनी
- भारत का संविधान – डॉ॰ प्रमोद कुमार अग्रवाल
- नैतिक और मानवीय मूल्य – अजित नारायण त्रिपाठी
- सामाजिक एवं संवैधानिक मूल्य : अंर्तसंबंध और अंतर्द्वंद्व – सचिन कुमार जैन